गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

SheRaksha

न्यूज लैटर महिला सुरक्षा प्रभाग

अप्रैल 2022–दिसम्बर 2022

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

G20 भारत 2023 INDIA

112 Emergency Response Support System
GOVERNMENT OF INDIA

चाहे आप कहीं भी हों

आपकी मदद जरूर की जाएगी

किसी भी आपात स्थिति में 112 डायल करें

कॉलर की लोकेशन का स्वतः पता चल जाता है और मौके पर मदद कर दी जाती है

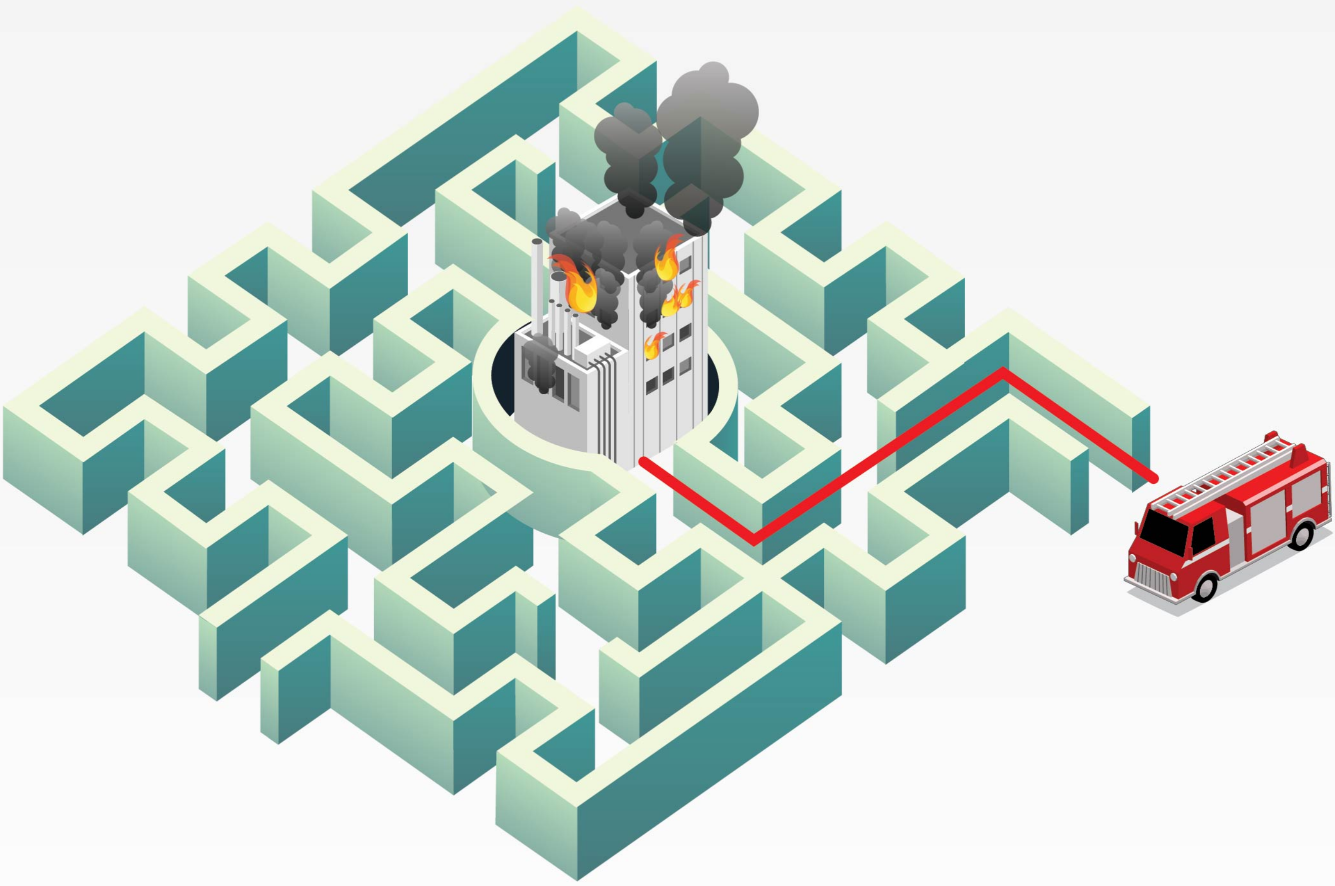

आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन

पीड़ित को घटना के निकटतम स्थान से प्रदत्त त्वरित सहायता

डायल 112 एक्सेस

कॉल (लैंडलाइन/मोबाइल फोन), एसएमएस, पैनिक बटन (बेसिक और स्मार्ट फोन), ईमेल, 112 वेबसाइट और 112 इंडिया मोबाइल ऐप

सेवा कवरेज

सभी 36 राज्य/संघ शासित प्रदेश

पैनिक बटन

स्मार्ट फोन पर पावर बटन को लगातार दबाने से पैनिक बटन सक्रिय हो जाता है। फीचर/बेसिक फोन पर 5 या 9 कुंजियों को देर तक दबाने से पैनिक बटन सक्रिय हो जाता है।

Download on the App Store
GET IT ON Google Play

डाउनलोड 112 इंडिया ऐप

112 भारत ऐप, 10 आपातकालीन संपर्क (मित्रों और परिवार) को जोड़ने की सुविधा के साथ गूगल प्ले और एप्पल स्टोर पर उपलब्ध है।

डायल 112 सेवा अब सभी राज्यों/संघ राज्यो क्षेत्रों में उपलब्ध है। अधिक सूचना के लिए DIAL 112 WWW-112-GOV-IN पर जाएं

03 डैशबोर्ड

04 एनआईटी– तिरुचिरापल्ली द्वारा आपातकालीन कार्रवाई सहायता प्रणाली (ईआरएसएस) पर कार्यशाला का आयोजन

04 बिहार सरकार द्वारा 112 सेवाओं का प्रारम्भ, ये सेवा अब सभी 36 राज्यों / संघ शासित क्षेत्रों में उपलब्ध

05 माननीय श्री अमित शाह द्वारा राष्ट्रीय साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला, हैदराबाद का अनावरण

05 हैदराबाद सुरक्षित शहर परियोजना के तहत मोबाइल शी शौचालय की स्थाापना

06 ट्रांसफॉर्मेशन@75 – कैदियों के साथ आजादी का अमृत महोत्सव

08 महिला सुरक्षा परियोजनाओं की सफलता की कहानियां

10 राज्यों/संघ राज्यक क्षेत्रों की श्रेष्ठ पद्धतियां

12 मीडिया में महिला सुरक्षा

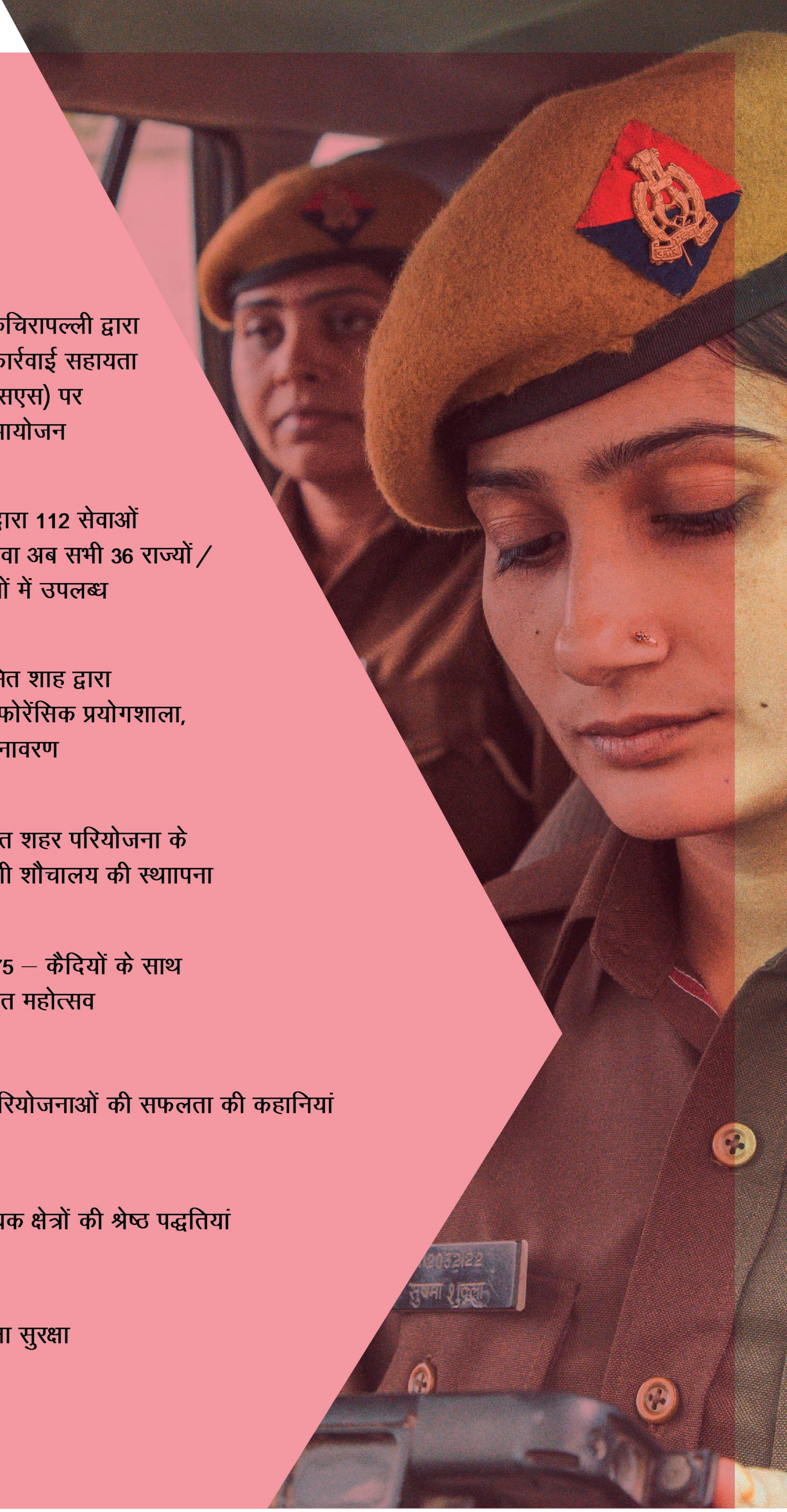

आपात कार्रवाई सहायता प्रणाली (डायल 112)

डायल 112 ऐप डाउनलोड की संख्या: 11 लाख से अधिक

11+ लाख

Google Play

App Store

राज्यों और संघ राज्यप क्षेत्रों के सभी जिलों में मानव तस्करी रोधी इकाइयां (एएचटीयू)

राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा स्थापित मानव तस्करी रोधी इकाइयां: **768**

बीएसएफ द्वारा स्थापित एएचटीयू: **15**

एसएसबी द्वारा स्थापित एएचटीयू: **5**

यौन अपराधों में फोरेंसिक मामलों का प्रशिक्षण

फोरेंसिक साक्ष्य और प्राप्ति में प्रशिक्षित अधिकारी:
25412

अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (सीसीटीएनएस)

सीसीटीएनएस राष्ट्रीय डेटाबेस में उपलब्ध पुलिस रिकॉर्ड:
28.76 करोड़

राज्य नागरिक पोर्टल पर विभिन्न सेवाओं के लिए नागरिकों की ओर से सेवा अनुरोध:
12.50 करोड़ से अधिक

सीसीटीएनएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से दर्ज की गई प्राथमिकी:
7.93 करोड़

अपराध और अपराधियों पर राष्ट्रीय पुलिस डेटाबेस पर की गई खोज:
2.34 करोड़

महिलाओं और बच्चों के प्रति साइबर अपराध की रोकथाम

साइबर अपराध संबंधी मामलों से निपटने के लिए प्रशिक्षित कर्मियों की संख्या:
20375

सभी थानों में महिला हेल्प डेस्क

थानों में महिला हेल्प डेस्क की संख्या:
13101

एनआईटी– तिरुचिरापल्ली द्वारा आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (ईआरएसएस) पर कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुचिरापल्ली (एनआईटी–टी), जिसे पहले क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज, तिरुचिरापल्ली (आरईसीटी) के रूप में जाना जाता था, ने 6–10 अप्रैल, 2022 को आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली के अनुसंधान, रूपरेखा और कार्यान्वयन पद्धतियों की नवीनतम चुनौतियों पर प्रकाश डालने के लिए ईआरएसएस केंद्र द्वारा प्रायोजित एसेंस ऑफ एमरजेंसी रिस्पॉन्स सपोर्ट सिस्टम पर कार्यशाला/प्रशिक्षण (ऑनलाइन) का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण के तहत, एनआईटी–टी के विभिन्न डोमेन में काम करने वाले शोध विद्वानों, स्नातक करने वाले और स्नातक बने छात्रों को लाभ पहुंचाने के लिए अपराध का पता लगाने, सूचना सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), इमोशन डिटेक्शन और ड्रोन के उपयोग सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

इस प्रकार के प्रशिक्षण से, यह उम्मीद की जाती है कि भविष्य में छात्र आपातकालीन कार्रवाई सहायता प्रणाली के नए उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान कर पाएंगे।

बिहार सरकार द्वारा 112 सेवाओं का प्रारम्भ, ये सेवा अब सभी 36 राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में उपलब्ध

बिहार के माननीय मुख्यमंत्री ने जुलाई, 2022 में ईआरएसएस/डायल 112 के अत्याधुनिक केंद्रीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र का शुभारंभ किया है, जो अब बिहार में डायल 112 सेवाओं के आरम्भ के साथ सभी 36 राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में ये सेवायें उपलब्ध हैं। केंद्रीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र पटेल नगर स्थित बिहार पुलिस रेडियो मुख्यालय में स्थापित किया गया है, जहां लगभग 100 कॉलटेकर जरूरतमंद और संकटग्रस्त लोगों को आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने के लिए तीन पालियों में काम करेंगे। जिला–स्तरीय नियंत्रण केंद्र भी स्थापित किए गए हैं, और पटना में केंद्रीय कमान और नियंत्रण केंद्र के पास इनकी जिम्मे दारी होगी। डायल 112 के शुभारंभ के तहत, राज्य सरकार ने 1200 वाहन भी खरीदे हैं, जो जिलों को वितरित किए जाएंगे। लगभग 7000 कर्मचारी संकट कॉल को संभालने के लिए प्रशिक्षित किया गया है, और आवश्यक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर स्थापित किए गए हैं

माननीय श्री अमित शाह द्वारा राष्ट्रीय साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला, हैदराबाद का अनावरण

माननीय श्री अमित शाह ने मई 2022 में सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (CFSL) परिसर, हैदराबाद में ''राष्ट्रीय साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला'' (NCFL) का अनावरण किया। एनसीएफएल में अत्याधुनिक सुविधाओं वाली चार विशेष उच्च तकनीक इकाइयां स्थापित की गई हैं जिनमें एक मोबाइल फोन एम्बेडेड सिस्टम परीक्षा इकाई, एक डिजिटल स्टोरेज मीडिया परीक्षा इकाई, एक उन्नत डिजिटल फोरेंसिक इकाई और एक क्राइम सीन इकाई शामिल हैं। यह उम्मीद की जाती है कि एनसीएफएल से देश के साइबर अपराध से संबंधित मामले तेजी से सुलझ पाएंगे। साइबर अपराधों के लिए सजा दर बढ़ाने के लिए, डिजिटल फोरेंसिक के क्षेत्र में मुद्दों के समाधान हेतु केंद्र सरकार पूरे राष्ट्र में एक अत्याधुनिक साइबर–प्रयोगशाला इकोसिस्ट कम (साइबर और सूचना सुरक्षा प्रभाग, गृह मंत्रालय स्थित) की स्थापना कर रही है।

हैदराबाद सुरक्षित शहर परियोजना के तहत मोबाइल शी शौचालय की स्थापना

सुरक्षित शहर परियोजना गृह मंत्रालय की एक पहल है जो मेट्रो शहरों में महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए है। केंद्र सरकार की सुरक्षित शहर परियोजना के हिस्से के रूप में, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के सीमाक्षेत्र के भीतर 12 शी मोबाइल इलेक्ट्रिक शौचालय/बसें शुरू की गईं, जो जियो–टैग युक्त हैं और जिसका पता एक ऐप यानी ''टाटा मोटर्स फ्लीट एज'' द्वारा लगाया जा सकता है। इसका उद्देश्य महिलाओं के लिए एक सुरक्षित, निरापद और सशक्त वातावरण बनाना है ताकि वे जेंडर आधारित समस्याओं के बिना सभी अवसर हासिल कर सकें। इन मोबाइल शौचालयों को तीन पुलिस आयुक्त कार्यालयों में लगाया गया है और इन्होनें भीड़–भाड़ वाले ऐसे स्थानों, पर्यटन स्थलों, विशेष आयोजन स्थ लों और अन्य क्षेत्रों में लगाया गया है जहाँ पारंपरिक शौचालयों का निर्माण नहीं किया जा सकता है।

ट्रांसफॉर्मेशन@75 – कैदियों के साथ आजादी का अमृत महोत्सव

स्वातंत्रता के 75 वर्ष के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' का आयोजन भारत सरकार की एक पहल है जो भारतीय लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के महान इतिहास पर गौरव प्रकट करने के लिए है। यह जुलाई, 2022 में आयोजित किया गया था, जिसके तहत जेलों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। देश की सभी जेलों में आयोजित कुछ कार्यक्रम निम्नलिखित हैं:

(i) सांस्कृतिक कार्यक्रम – देश भक्ति गीत, नृत्य, रंगोली, भित्ति कला, नाटक आदि।

(ii) सप्ताह के दिन/सप्ताहांत में आरोग्यभ कार्यक्रम – योग, ध्यान आदि।

(iii) परामर्श सत्र – नौकरी की खोज, पुनर्वास आदि पर जोर।

(iv) कैदियों के लिए रात्रि में देशभक्ति फिल्म का प्रदर्शन।

(v) एनजीओ, धार्मिक संगठनों और अन्य के माध्यम से संपर्क कार्यक्रम।

(vi) अच्छे आचरण और मामूली अपराधों वाले कैदियों को रिहा करने पर विचार।

इन समारोहों के हिस्से के रूप में, माननीय गृह मंत्री ने कैदियों की कुछ श्रेणियों को विशेष छूट देने और उन्हें तीन चरणों, 15 अगस्त, 2022 (स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ), 26 जनवरी 2023 (गणतंत्र दिवस) और फिर 15 अगस्त, 2023 को रिहा करने का प्रस्ताव दिया।

राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को उचित दिशा–निर्देश भी जारी किए गए हैं। यहां तक कि गृह मंत्रालय ने अलग से सूचित किया है कि यूजर मैनुअल के साथ ई–जेल सॉफ्टवेयर में एक विशेष मॉड्यूल जोड़ा गया है, जो पात्र कैदियों के मामलों को त्वरित और सटीक तरीके से संसाधित करने में राज्य कारागार अधिकारियों को सुविधा प्रदान करेगा।

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

अपनी शिकायत बिना परेशानी दर्ज कराएं

अब हर पुलिस थाने में महिला हेल्प डेस्क

महिला सहायता डेस्क द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाएं

कानूनी सहायता | परामर्श | पुनर्वास | आश्रय | प्रशिक्षण

महिला हेल्प डेस्क की सफलता की कहानी

तमिलनाडु महिला हेल्प डेस्क द्वारा पढ़ाई छोड़ने वाले छात्रों की सहायता

महामारी के दौरान यह देखा गया कि सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त संस्थानों के बहुत सारे छात्र विभिन्न कारणों से स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर हुए। चूंकि छात्रों की शिक्षा एक अमूल्य संपत्ति है, इसलिए तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले में "फ्रेंड" नाम से जानी जाने वाली महिला सहायता डेस्क टीम पढ़ाई छोड़ने वाले छात्रों की सहायता कर रही है ताकि उन्हें "अपराध, बाल विवाह और बाल श्रम" से बचाया जा सके। पुलिस द्वारा चलाए गए एक जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से एकत्रित आंकड़ों का प्रयोग करके, महिला हेल्प डेस्क टीमों ने पढ़ाई छोड़ने वालों छात्रों और उनके परिवारों से संपर्क किया और उनकी काउन्सलिंग की। परिणामस्वरूप, लगभग 200 छात्र पुनः स्कूल आने लगे।

एएचटीयू की सफलता की कहानी

दिल्ली पुलिस की एएचटीयू टीम ने देह व्यापार के संगठित अपराध गिरोह का भंडाफोड़ किया

जुलाई 2022 में, दिल्ली पुलिस ने मालवीय नगर में सक्रिय विदेशी महिलाओं से जुड़े एक वेश्यावृत्ति रैकेट का भंडाफोड़ किया। दिल्ली पुलिस ने गुप्त सूचना मिलने पर इस गिरोह से संपर्क किया और एक पुलिस अधिकारी को फर्जी ग्राहक बनाकर भेजा। पुलिस अधिकारी ने जगह का निरीक्षण किया और बाहर मौजूद टीम को इशारा किया। परिणामस्वरूप रैकेट चलाने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और लगभग 10 महिलाओं को बचाया गया और 5 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया।

हरियाणा मानव तस्करी रोधी इकाई ने उत्तर प्रदेश से लापता दिव्यांग किशोरी को उसके माता–पिता से मिलवाया

हरियाणा पुलिस (पंचकूला) की मानव तस्करी रोधी इकाई ने अगस्त 2022 से लापता एक 14 वर्षीय लड़की (उत्तर प्रदेश) को उसके माता–पिता से मिलवाया। यह तब हुआ जब कोझिकोड (केरल) के बाल कल्याण निरीक्षक ने हरियाणा राज्य अपराध शाखा को सूचित किया कि भाषा की बाधा के कारण लापता हुई हिंदी भाषी लड़की के परिवार का पता लगाना उनके लिए मुश्किल हो रहा है। उन्हें लड़की से तुरंत पता चला कि वह मुजफ्फरनगर में एक मस्जिद के पास रहती है और बाद में उसने अपने माता–पिता की पहचान बताई। उसने बताया कि वह वर्ष 2022 में गलती से ट्रेन से आंध्र प्रदेश और केरल के एलेप्पी चली गई थी।

ईआरएसएस की सफलता की कहानी

पुडुचेरी पुलिस द्वारा एक कोकीन विक्रेता को गिरफ्तार किया गया

मई, 2022 में ईआरसी पुडुचेरी को एक कॉल प्राप्त हुई जिसमें बताया गया कि एक अज्ञात व्यक्ति कुरुस्कुप्पम, पुडुचेरी में मरवाडी स्ट्रीट पर स्कूली बच्चों और आम जनता को कोकीन बेचा जा रहा था। ईआरएसएस टीम ने तुरंत निकटतम ईआरवी को मौके पर पहुंचने के लिए सूचित किया और संदिग्धों को कथित तौर पर आम जनता को कोकीन बेचते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया और जांच के लिए ले जाया गया।

अरुणाचल प्रदेश में कम मूल्य के नोटों के लिए 500 रुपये के भारतीय नोट

दिनांक 25 सितंबर 2022 को, दोईमुख में 12 बटालियन एनडीआरएफ के एक जवान ने सूचना दी कि एक अज्ञात व्यक्ति इस क्षेत्र में सभी लोगों के कम मूल्य के नोटों के बदले 500 रुपये के भारतीय नोटों का आदान–प्रदान कर रहा था। बाद में पता चला कि 500 रुपये के जो बदले गए थे, वह जाली नोट थे। फोन करने वाले ने पुलिस से तत्काल मदद मांगी। यह मामला तत्काल दोईमुख में निकटतम ईआरयू को संदर्भित कर दिया गया और साथ ही साथ दोईमुख थाना प्रभारी को भी सूचित किया गया। ईआरयू ने जाली मुद्रा के संदिग्ध आपूर्तिकर्ता को पकड़ लिया और थानाध्यक्ष के वहां पहुंचते ही उन्हें सुपुर्द कर दिया। कथित अपराधी को दोईमुख थाना लाया गया, जहां उसे आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस को सौंप दिया गया।

मणिपुर पुलिस ने नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ का मामला सुलझाया

दिनांक 5 सितंबर 2022 को, एक पुरुष कॉलर ने बताया कि उसके चाचा ने अराप्ती मयाई लीकाई, थोंगखोंग में एक नाबालिग लड़की के साथ दुर्व्यवहार किया था। नतीजतन, ईआरसी ने तुरंत निकटतम पुलिस स्टेशन, इरिलबुंग थाना को सूचित किया, जिसके कर्मी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे, आरोपी को हिरासत में लिया और उसे आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस स्टेशन ले गए। कॉलर 112 मणिपुर टीम के कार्य से बेहद खुश था।

त्रिपुरा पुलिस ने लोकेशन आधारित ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से एक लड़की को बचाया

दिनांक 5 मई 2022 को 22:42 बजे ईआरएसएस कंट्रोल रूम में एक महिला की कॉल आई कि उनकी भतीजी (19 वर्षीय कॉलेज छात्रा) राधानगर बस स्टैंड के पास से लापता हो गई है। उस महिला ने यह भी कहा कि लड़की दोस्तों के साथ बाहर गई थी और जंगल में रास्ता भटक गई। लोकेशन आधारित सिस्टम (एलबीएस) का उपयोग करते हुए पुलिस ने कुछ ही मिनटों में स्थान को ट्रैक कर लिया और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया।

हिमाचल प्रदेश सभी वीएलटीडी वाहनों को ईआरएसएस से जोड़ने वाला पहला राज्य बन गया है

हिमाचल प्रदेश भारत का पहला राज्य है जिसने सभी सार्वजनिक वाहनों में वाहन स्थान ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) लगाया है, जिसमें इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम (ईआरएसएस) के साथ आपातकालीन पैनिक बटन शामिल है। संकट के समय ईआरएसएस केंद्र को उपग्रह के माध्यम से संकेत भेजने के लिए पैनिक बटन दबाया जा सकता है और यह पुलिस को सतर्क करेगा। इस तकनीक का उपयोग करते हुए अब 9000 से अधिक पंजीकृत वाणिज्यिक वाहन ईआरएसएस से जुड़ चुके हैं। पुलिस और परिवहन विभाग अब भारत में कहीं भी इन वीएलटीडी सक्षम वाहनों की निगरानी और ट्रैक कर सकते हैं। यह प्रणाली वाहनों की चोरी, दुर्घटनाओं आदि का पता लगाने में सहायक होगी और राज्य में सड़कों को सुरक्षित बनाएगी। वाहन की निगरानी से महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

हरियाणा ने 112 सेवाओं का उन्नयन किया

वर्ष 2021 में, हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री ने 112 आपातकालीन कार्रवाई सहायता प्रणाली (ईआरएसएस) सेवा शुरू की, जो हरियाणा सरकार की एक प्रमुख परियोजना है और इसे संकट के समय आम जनता को त्वरित और एकीकृत आपातकालीन सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गई है। शुरुआत के बाद से, राज्य ने उन्नत तकनीकों और सर्वोत्तम परिपाटियों का लाभ उठाया है जैसे कि राज्य आपात सहायता केंद्र और मिरर आपात सहायता केंद्र (20ः क्षमता के साथ) में चौबीस घंटे काम करने वाला संपर्क केंद्रय बधिर और मूक विकलांग व्यक्तियों के लिए ही एक डेस्क जिसकी कॉल सांकेतिक भाषा के विशेषज्ञ विशेष संचार अधिकारियों से जुड़ जाएगीय घटना स्थल पर पहुंचने और 'फर्स्ट रेस्पॉडर' के रूप में कार्य करने के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों के साथ 23 इन–फ्लीट सुविधाओं से लैस 630 नए टोयोटा इनोवा क्रिस्टा वाहनों को राज्य भर में तैनात किया गया है। ईआरवी में स्थापित एमडीटी के माध्यम से सभी पेट्रोलिंग मार्गों को सिस्टम में डिजिटल रूप से परिभाषित किया गया है।

हरियाणा सरकार ने विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के लिए 112 सेवा शुरू की

हरियाणा सरकार ने विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए शिकायत दर्ज करने में उनके सामने आने वाली बाधा को दूर करने हेतु 112 सेवा शुरू की। हरियाणा डायल 112 टीम ने तीन विशेष शिकायत अधिकारी (सांकेतिक भाषा विशेषज्ञ) नियुक्त किए हैं जो राज्य ईआरसी में 24 घंटे शिफ्ट के अनुसार उपलब्ध रहेंगे। इस सुविधा के माध्यम से दिव्यांगजन अपने विरुद्ध अपराध की रिपोर्ट वीडियो कॉल और मैसेज के माध्यम से भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यह सेवा राज्य आपात सहायता केंद्र, पंचकूला में स्थापित वीडियो कॉल और एक मैसेजिंग ऐप सुविधा से लैस है।

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

G20 भारत 2023 INDIA

112 GOVERNMENT OF INDIA
Emergency Response Support System

क्या आप जानते हैं?

आप मोबाइल फोन में मौजूद पैनिक बटन के जरिए 112 तक पहुँच सकते हैं

फोन लॉक होने पर भी पैनिक बटन एक्टिवेट किया जा सकता है

डाउनलोड 112 इंडिया ऐप

GET IT ON Google Play | Download on the App Store

स्मार्टफोन पर
पैनिक बटन को सक्रिय
करने के लिए पावर बटन को
3 बार जल्दी–जल्दी दबाएं

फीचर फोन पर
पैनिक बटन को सक्रिय
करने के लिए '5' या '9' की
को देर तक दबाएं

डायल 112 सेवाएं अब सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में उपलब्ध हैं । अधिक जानकारी के लिए www.112.gov.in देखें।

twitter

112 Haryana @112Haryana · Sep 14, 2022
112 Haryana in News
@cmohry @anilvijminister @aschawlaips @noopurbishnoi @police_haryana

Haryana 112 helps ensuring speedy justice to deaf and mute victims of sexual offences

To handle such calls, sign language experts have been deployed round the clock. Now, differently abled are approaching Haryana 112 system by sending SMS to 112 or pressing the panic button or by dialling 112.

1 · 4 · 13

Punjab Police India @PunjabPoliceInd · Dec 27, 2022
A person from Bathinda called #Helpline112 and said that a house has caught fire in his village, please help. The fire brigade & Police party rushed to the spot and brought the fire under control and prevented major damage. #LetsBringTheChange

PunjabPoliceHelpline#112

ਪੰਜਾਬ ਪੁਲਿਸ ਹੈਲਪਲਾਈਨ ਨੰਬਰ 112 'ਤੇ ਬਠਿੰਡਾ ਤੋਂ ਇੱਕ ਵਿਅਕਤੀ ਨੇ ਕਾਲ ਕਰਕੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਿੰਡ ਇੱਕ ਘਰ ਵਿੱਚ ਅੱਗ ਲੱਗ ਗਈ ਹੈ, ਕ੍ਰਿਪਾ ਕਰਕੇ ਮਦਦ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਤੁਰੰਤ ਫਾਇਰ ਬ੍ਰਿਗੇਡ ਨੂੰ ਕਾਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਪੁਲਿਸ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਮੌਕੇ ਤੇ ਭੇਜਿਆ ਗਿਆ। ਪੁਲਿਸ ਪਾਰਟੀ ਵੱਲੋਂ ਮੌਕੇ ਤੇ ਪਹੁੰਚ ਕੇ ਫਾਇਰ ਬ੍ਰਿਗੇਡ ਦੀ ਮਦਦ ਨਾਲ ਅੱਗ ਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾ ਲਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ ਵੱਡਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਚਾ ਲਿਆ ਗਿਆ।

#LetsBringTheChange

DGP Punjab Police and 2 others

2 · 19 · 40 · 2,285

CG Dial 112 @cgdial112 · Dec 19, 2022
जिला - बिलासपुर
दिनांक - 19/12/22
ज़हर सेवन कर छात्रा ने किया आत्महत्या का प्रयास, डायल 112 की त्वरित कार्यवाही से सुरक्षित रही बच्ची की ज़िन्दगी। @PoliceBilaspur @CG_Police #savelife #girlsonly #emergencymedicine

1 · 10 · 543

Delhi Police @DelhiPolice · Jun 11
बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नज़र रखें!
सेक्सटिंग के गंभीर परिणामों के बारे में अपने बच्चों को समझाएं और ऑनलाइन सुरक्षित रहना सिखाएं।
नाबालिग बच्चों के साथ सेक्सटिंग एक दंडनीय अपराध है। ऐसे अपराध की तुरंत सूचना दें, डायल करें- 112
#BachchonKiSurakshaHaiHamaraKartavya

24 · 54 · 130 · 20.5K

Hindustan Times

India World Mumbai Entertainment Cricket Lifestyle

Daily Digest Quiz Videos Photos Tech Business Sports

Home / Cities / Lucknow News / Dial 112 awareness drive held on Indo-Nepal ...

Dial 112 awareness drive held on Indo-Nepal border

By HT Correspondent, Lucknow

May 19, 2022 10:48 PM IST

Besides law and order, people can use this service for informing about fire, natural disaster and medical emergency

facebook

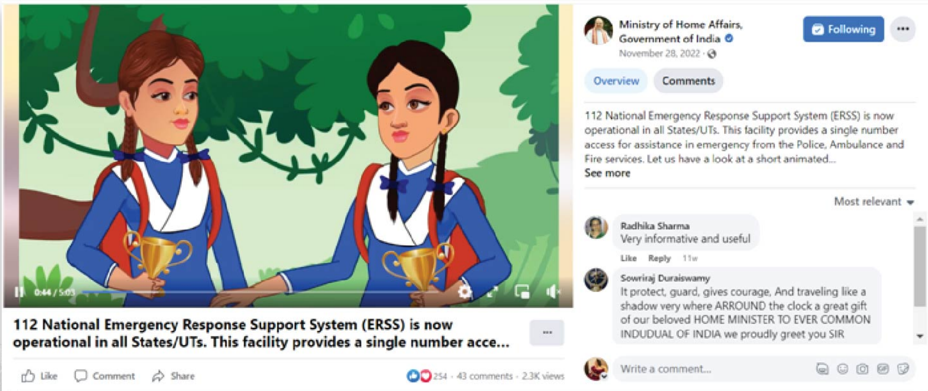

अनुच्छेद

Govt issues GO to define role of police in harvesting organs of dead persons

SHARMILA KRISHNA ■ LUCKNOW

The Uttar Pradesh government has issued a Government Order (GO) defining the role of police in harvesting the organs of brain dead persons for transplantation.

Giving this information, SOTTO nodal officer for UP, Dr Harshvardhan, said that this was a great achievement and the role of Sanjay Gandhi Post-Graduate Institute of Medical Sciences Director Dr RK Dhiman and Additional Director General of Police Piyush Anand was very important in it.

He said that a written mandate was necessary for the police because they were the first responders in case of an accident and hence a standard operating procedure (SOP) was prepared for the entire state.

"This mandate was necessary since it gives in detail what the police are supposed to do and what the police are not supposed to do and in that context a SOP was prepared and it has come out as a GO. It gives the role of station house officers (SHOs), inspectors, sub inspectors and other officers in organ donation as in terms of medico legal cases they are already doing their duty," he said.

Dr Harshvardhan said that the GO stated what was to be done by the district police and Dial 112 in such cases in UP.

"The key hospitals where organ harvesting and transplantation takes place in the state will be fed into the Dial 112 database. This is because when doctors feel that a particular organ needs to be harvested, the process has to proceed faster for the organ to be harvested hence these hospitals can call Dial 112 which in turn can call the police station concerned. The phone numbers of all the transplant centres which have been authorised by the director general of medical and health services and the nodal officers of such hospitals will be fed into the Dial 112 system," he said.

Dr Harshvardhan pointed out that there were two types of organ donations, one of the deceased and the other of living persons.

"In our country most of the donations are live donations and not deceased organ donations whereas in the developed countries most of them are deceased organ donations. I had planned a series of measures to encourage deceased organ transplantation and this was one of them," he said.

The nodal officer said that he met Additional Chief Secretary (Home) Awanish Awasthi and his main concern was that 22,000-23,000 deaths took place in road accidents annually. 'Out of these a major number are brain stem dead patients and out of these brain dead patients there will be a good number and there is a good possibility of turning them into potential donors after counseling their families for giving their consent out of free will," he said. He said that keeping this in mind the role of the police becomes important because every road accident becomes a medico legal case.

"The first responders are the police because the victims contact the police, hence the role of police becomes very important. We need to sensitize the police. They are already doing that duty but it is being done as a medico legal case whereas there are some medico legal cases which can be potential sources of organ harvesting. But for this the police needed a written mandate on what they were supposed to do and what they were not supposed to do and what was the importance of doing this," he said.

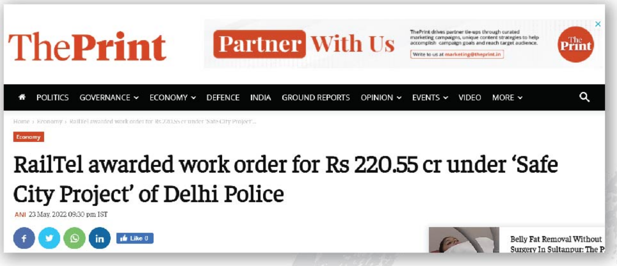

कार्यक्रम

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

G20
भारत 2023 INDIA

112
GOVERNMENT OF INDIA
Emergency Response Support System

चिकित्सा आपातकाल के लिए 112 पर कॉल करें

अपने द्वार पर एम्बुलेंस सुविधा प्राप्त करें

आपातकालीन सहायता वाहन
घटना का निकटतम स्थान और पीड़ित को प्रदत्त त्वरित सहायता

डायल 112 एक्सेस
कॉल (लैंडलाइन/मोबाइल फोन), एसएमएस, पैनिक बटन (बेसिक और स्मार्ट फोन), ईमेल, वेबसाइट और 112 इंडिया मोबाइल ऐप

सेवा कवरेज
सभी 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में

पैनिक बटन
स्मार्ट फोन पर पावर बटन को लगातार दबाने से पैनिक बटन सक्रिय हो जाता है। फीचर/बेसिक फोन पर 5 या 9 कुंजियों को देर तक दबाने से पैनिक बटन सक्रिय हो जाता है।

Download on the App Store
GET IT ON Google Play

डाउनलोड 112 इंडिया ऐप
112 इंडिया ऐप गूगल प्ले और एप्पल स्टोर पर उपलब्ध है जिसमें 10 आपात संपर्क (मित्र और परिवार) जोड़ने की सुविधा है।

डायल 112 सेवाएँ अब सभी राज्योंध्संघ राज्य क्षेत्रों में उपलब्ध हैं। अधिक सूचना के लिए WWW.112.GOV.IN देखें।

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

G20 भारत 2023 INDIA

112 Emergency Response Support System

सेवा कवरेज

सभी 36 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

डायल 112 एक्सेस कॉल

(लैंडलाइन/मोबाइल फोन), एसएमएस, पैनिक बटन (बेसिक और स्मार्ट फोन), ईमेल, 112 वेबसाइट और 112 इंडिया मोबाइल ऐप

आपातकालीन सहायता वाहन

घटना का निकटतम स्थान और पीड़ित को प्रदत्त त्वरित सहायता

पैनिक बटन

स्मार्ट फोन पर पावर बटन को लगातार दबाने से पैनिक बटन सक्रिय हो जाता है। फीचर/बेसिक फोन पर 5 या 9 कुंजियों को देर तक दबाने से पैनिक बटन सक्रिय हो जाता है।

डाउनलोड 112 इंडिया ऐप

Download on the App Store
GET IT ON Google Play

112 इंडिया ऐप गूगल प्ले और एप्पल स्टोर पर उपलब्ध है जिसमें 10 आपात संपर्क (मित्र और परिवार) जोड़ने की सुविधा है।

आपात स्थिति में 112 पर कॉल करें

डायल 112 सेवाएँ अब सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में उपलब्ध हैं। अधिक सूचना के लिए WWW.112.GOV.IN देखें।

मुख्य संपादक
पौसुमी बसु
निदेशक (डब्ल्यू एस)

संपादकीय बोर्ड
प्रिया
(सहायक अनुभाग अधिकारी)
इति रावरा
(आई.ई.सी सीपीएमयू)

प्रकाशक
गृह मंत्रालय, भारत सरकार